सीएसआईआर-सीरी में 8वें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस का आयोजन

कार्यशाला एवं चिकित्सा शिविर से सहकर्मी एवं परिजन हुए लाभान्वित

केंद्रीय आयुष मंत्रालय, भारत सरकार तथा सीएसआईआर मुख्यालय के दिशानिर्देशानुसार 8वें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष्य में 8 नवंबर, 2023 को सीएसआईआर-सीरी में आयुर्वेद पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में प्रसिद्ध आयुर्वेद विशेषज्ञ डॉ रमेश जाजू, वरिष्ठ आयुर्वेद चिकित्सक (सेवानिवृत्त), बिरला सार्वजनिक अस्पताल, पिलानी, ने 'जीवन में आयुर्वेद का महत्व एवं उपयोगिता' विषय पर रोचक एवं ज्ञानवर्धक व्याख्यान दिया। कार्यशाला की अध्यक्षता डॉ अभिजीत कर्माकर, मुख्य वैज्ञानिक ने की। संस्थान के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में संस्थान के वैज्ञानिकगण सहित नियमित एवं अन्य सहकर्मी तथा प्रशिक्षार्थी उपस्थित थे।

दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए डॉ रमेश जाजू

डॉ रमेश जाजू एवं अन्य अधिकारियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया तथा इसके बाद आयुर्वेद के जनक भगवान धनवंतरि के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की।

स्वागत एवं अध्यक्षीय संबोधन देते हुए
डॉ अभिजीत कर्माकर, मुख्य वैज्ञानिक, सीएसआईआर-सीरी

सभागार में उपस्थित सहकर्मी एवं अतिथि

अपने स्वागत एवं अध्यक्षीय संबोधन में **डॉ अभिजीत कर्माकर** ने कहा कि भारत सरकार द्वारा स्वदेशी चिकित्सा पद्धति के प्रचार-प्रसार के इस महत्वाकांक्षी अभियान के अंतर्गत देशभर में 11 अक्टूबर से 10 नवंबर की अवधि को आयुर्वेद महोत्सव के रूप में मनाया जा रहा है। उन्होंने स्वदेशी चिकित्सा पद्धति में आयुर्वेद की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने अन्य स्वदेशी पद्धतियों की भूमिका को भी उद्धृत किया।

आमंत्रित व्याख्यान देते हुए डॉ रमेश जाज, आयुर्वेद चिकित्सक

अपने सारगर्भित व्याख्यान में **डॉ रमेश जाजू**, आयुर्वेद चिकित्सक (सेवानिवृत्त), बिरला सार्वजनिक अस्पताल, पिलानी ने कहा कि आयुर्वेद स्वस्थ व्यक्ति को स्वस्थ रखने और अस्वस्थ व्यक्ति को स्वस्थ करने की चिकित्सा पद्धति का नाम है। अपने व्याख्यान में उन्होंने अनुशासित दिनचर्या को अच्छे स्वास्थ्य का आधार बताते हुए कहा कि स्वस्थ रहने के लिए आदर्श आहार के साथ-साथ भोजन एवं आहार का समय

भी निश्चित होना अनिवार्य है। इस अवसर पर उन्होंने शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के लिए आवश्यक बातों पर भी प्रकाश डाला।

अतिथि को सम्मानित करते हुए डॉ अभिजीत कर्माकर, मुख्य वैज्ञानिक

व्याख्यान के उपरांत डॉ कर्माकर ने मुख्य अतिथि डॉ जाजू को **शॉल एवं स्मृति चिह्न** भेंट कर सम्मानित किया।

धन्यवाद ज्ञापित करते हुए श्री जय शंकर शरण, प्रशासन नियंत्रक

प्रशासन नियंत्रक श्री जय शंकर शरण ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि भगवान धन्वंतरि चिकित्सा विज्ञान एवं आयुर्वेद के जनक थे। अपने संक्षिप्त संबोधन में उन्होंने राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस मनाने की पृष्ठभूमि पर भी प्रकाश डाला।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए श्री रमेश बौरा, वरिष्ठ हिन्दी अधिकारी

कार्यक्रम का संचालन करते हुए मीडिया एवं जनसंपर्क यूनिट के प्रमुख श्री रमेश बौरा, वरिष्ठ हिन्दी अधिकारी ने बताया कि आयुष मंत्रालय द्वारा इस वर्ष आयुर्वेद अभियान के लिए **'आयुर्वेद – प्रत्येक व्यक्ति के लिए, प्रतिदिन'** नारा दिया है। उन्होंने सभी सहकर्मियों को आमंत्रित अतिथि का परिचय भी दिया।

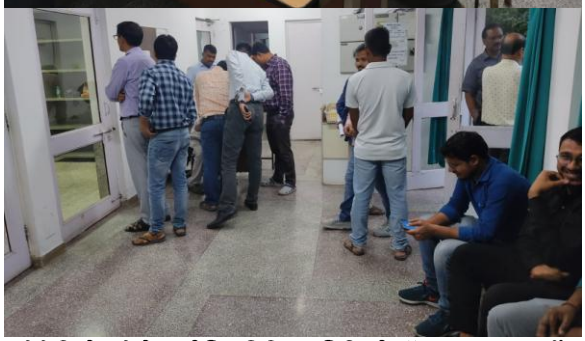
सीरी डिस्पेन्सरी में आयोजित चिकित्सा शिविर में डॉ जाजू एवं लाभार्थी

आमंत्रित व्याख्यान के उपरांत संस्थान की डिस्पेन्सरी में चिकित्सा शिविर का भी आयोजन किया गया। चिकित्सा शिविर में संस्थान कार्मिकों एवं उनके परिजनों ने चिकित्सकीय परामर्श और दवाएं प्राप्त कीं। डॉ जाजू ने संस्थान में सभी सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं के लिए निदेशक डॉ पी सी पंचारिया एवं प्रशासन नियंत्रक श्री शरण के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यशाला का समापन राष्ट्र गान से हुआ।

स्वास्थ्य शिविर एवं आयुर्वेद प्रदर्शनी का आयोजन

8वें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित किए जा रहे कार्यक्रमों की शृंखला में आयुर्वेद दिवस (दिनांक 10 नवंबर, 2023) पर संस्थान में महाराव शेखाजी क्षेत्रीय आयुर्वेद संस्थान (MSARI), जयपुर के सौजन्य से **स्वास्थ्य शिविर एवं आयुर्वेद प्रदर्शनी** का आयोजन किया गया। शिविर एवं प्रदर्शनी का उद्घाटन संस्थान के निदेशक डॉ पी सी पंचारिया ने किया। इस अवसर पर क्षेत्रीय आयुर्वेद संस्थान के

डॉ दारा सिंह रौतवार, डॉ कलीम मुहम्मद एवं उनकी टीम के सदस्य उपस्थित थे। इनके अलावा इस अवसर पर संस्थान के वैज्ञानिकों सहित अन्य सहकर्मी उपस्थित थे।

चिकित्सा शिविर एवं आयुर्वेद प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए
डॉ पी सी पंचारिया, निदेशक, सीएसआईआर-सीरी

आयुर्वेद प्रदर्शनी एवं चिकित्सा शिविर में संबोधित करते हुए
डॉ पी सी पंचारिया, निदेशक, सीएसआईआर-सीरी

डॉ पी सी पंचारिया, निदेशक, सीएसआईआर-सीरी ने जयपुर से संस्थान में पधारे डॉ दारा सिंह एवं उनके साथियों का औपचारिक स्वागत किया। अपने संबोधन में डॉ पंचारिया ने आयुर्वेद को सबसे प्राचीनतम चिकित्सा पद्धति बताते हुए इसके संबंध में अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने इसके लाभों को रेखांकित करते हुए सभी लोगों को इसे अपनाने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर डॉ दारा सिंह एवं डॉ कलीम ने आयुर्वेद को अथर्ववेद का उपांग बताते हुए संतुलित आहार एवं उचित ऋतुचर्या का महत्व बताया। दोनों विद्वानों ने आयुर्वेद की ऐतिहासिक एवं पौराणिक पृष्ठभूमि पर भी प्रकाश डालते हुए भगवान धनवंतरि को नमन किया। अपने संबोधन में डॉ सिंह एवं डॉ कलीम ने आचार्य अश्विनीकुमार, आचार्य सुश्रुत, आचार्य चरक आदि ऋषियों को अपने श्रद्धासुमन अर्पित किए। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ प्रमोद तंवर, प्रधान वैज्ञानिक एवं प्रमुख, पीएमई ने इस शिविर एवं प्रदर्शनी के आयोजन में सहयोग के लिए एमएसएआरआई, जयपुर के अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

अंत में प्रशासन नियंत्रक श्री जयशंकर शरण ने आमंत्रित अतिथियों एवं निदेशक के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने सभी उपस्थित सहकर्मियों को आयुर्वेद के लाभ बताते हुए शिविर से लाभान्वित होने का आग्रह किया।

शिविर में आए लोगों को चिकित्सा परामर्श देते हुए क्षेत्रीय आयुर्वेद संस्थान, जयपुर के अधिकारी डॉ दारा सिंह रौतवार एवं डॉ कलीम

स्वास्थ्य शिविर में आए सहकर्मियों एवं उनके परिजनों सहित अन्य लोगों को महाराव शेखाजी क्षेत्रीय आयुर्वेद संस्थान (MSARI), जयपुर के अधिकारियों ने निशुल्क चिकित्सा परामर्श दिया एवं औषधियों का वितरण किया। साथ ही आयुर्वेद के संबंध में प्रचार सामग्री/साहित्य आदि का भी वितरण किया गया। डॉ दारा सिंह ने संस्थान द्वारा प्रदत्त सभी सुविधाओं एवं सहयोग के लिए निदेशक, सीएसआईआर-सीरी

के प्रति आभार व्यक्त किया। शिविर के लाभार्थियों ने भी इस आयोजन की सराहना करते हुए सीरी व एमएसएआरआई को धन्यवाद दिया।

शिविर में औषधि वितरण करते हुए एमएसएआरआई, जयपुर के कार्मिक

आयुर्वेद प्रदर्शनी में प्रचार साहित्य का अवलोकन करते हुए सहकर्मीगण

कार्यक्रम संचालन करते हुए श्री रमेश बौरा, वरिष्ठ हिन्दी अधिकारी

कार्यक्रम का संचालन करते हुए **श्री रमेश बौरा**, वरिष्ठ हिन्दी अधिकारी ने अतिथियों का औपचारिक परिचय देते हुए स्वागत किया। उन्होंने बताया कि केंद्रीय आयुष मंत्रालय एवं सीएसआईआर मुख्यालय से प्राप्त दिशानिर्देशों के अनुपालन में संस्थान में आयुर्वेद दिवस का आयोजन किया जा रहा है।

इस प्रकार संस्थान में आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित चिकित्सा शिविरों में लगभग 300 व्यक्ति लाभान्वित हुए।

<u>समाचार पत्रों में आयुर्वेद दिवस 2023</u>

दैनिक भास्कर

शेखावाटी भास्कर

सीएसआईआर-सीरी में आठवें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष में कार्यशाला का आयोजन

'जीवन में आयुर्वेद का महत्व एवं उपयोगिता' विषय पर रोचक व्याख्यान हुआ

भास्कर न्यूज | पिलानी

आयुष मंत्रालय, भारत सरकार तथा सीएसआईआर मुख्यालय के दिशा निर्देशानुसार 8वें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष्य में सीएसआईआर-सीरी में आयुर्वेद पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में प्रसिद्ध आयुर्वेद विशेषज्ञ डॉ. रमेश जाजू, वरिष्ठ आयुर्वेद चिकित्सक ने 'जीवन में आयुर्वेद का महत्व एवं उपयोगिता' विषय पर रोचक एवं ज्ञानवर्धक व्याख्यान दिया।

कार्यशाला की अध्यक्षता डॉ. अभिजीत कर्मांकर, मुख्य वैज्ञानिक ने की। अपने स्वागत एवं अध्यक्षीय संबोधन में उन्होंने कहा कि भारत सरकार द्वारा स्वदेशी चिकित्सा पद्धति के प्रचार-प्रसार के इस महत्वाकांक्षी अभियान के अंतर्गत देशभर में 11 अक्टूबर से 10 नवंबर की अवधि को आयुर्वेद महोत्सव के रूप में मनाया जा रहा है। उन्होंने स्वदेशी चिकित्सा पद्धति में आयुर्वेद की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने अन्य स्वदेशी पद्धतियों की भूमिका को भी रेखांकित किया। अपने सारगर्भित व्याख्यान में मुख्य अतिथि डॉ. रमेश जाजू ने कहा कि आयुर्वेद स्वस्थ व्यक्ति को स्वस्थ रखने और अस्वस्थ व्यक्ति को स्वस्थ करने की चिकित्सा पद्धति का नाम है। अपने व्याख्यान में उन्होंने अनुशासित दिनचर्या को अच्छे स्वास्थ्य का आधार बताते हुए कहा कि स्वस्थ रहने के लिए आदर्श आहार के साथ-साथ भोजन व आहार का समय भी निश्चित होना अनिवार्य है। व्याख्यान के उपरांत डॉ. कर्मांकर ने मुख्य अतिथि डॉ. जाजू को शॉल व स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया।

पिलानी. 8वें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष्य में सीएसआईआर-सीरी में हुए कार्यक्रम में उपस्थित अतिथि व अन्य।

प्रशासन नियंत्रक जय शंकर शरण ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि भगवान धन्वंतरि आयुर्वेद के जनक थे। संक्षिप्त संबोधन में उन्होंने राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस मनाने की पृष्ठभूमि पर भी प्रकाश डाला।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए मीडिया व जनसंपर्क यूनिट के प्रमुख रमेश बौरा, वरिष्ठ हिंदी अधिकारी बताया कि आयुष मंत्रालय द्वारा इस वर्ष आयुर्वेद अभियान के लिए ''आयुर्वेद – प्रत्येक व्यक्ति के लिए प्रतिदिन' नारा दिया है। उन्होंने सभी सहकर्मियों को आमंत्रित अतिथि का परिचय भी दिया। व्याख्यान के उपरांत संस्थान की डिस्पेंसरी में चिकित्सा शिविर का भी आयोजन किया गया। चिकित्सा शिविर में संस्थान कार्मिकों एवं उनके परिजनों ने चिकित्सकीय परामर्श और दवाएं प्राप्त की।

डॉ. जाजू ने संस्थान में सभी सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं के लिए निदेशक डॉ. पीसी पंचारिया व प्रशासन नियंत्रक शरण के प्रति आभार व्यक्त किया।

दैनिक मृदुल पत्रिका

मृदुल पत्रिका | राजस्थान | शनिवार

आयुर्वेद दिवस पर सीएसआईआर-सीरी में स्वास्थ्य शिविर एवं आयुर्वेद प्रदर्शनी का आयोजन

देश की प्राचीनतम एवं प्रभावी चिकित्सा पद्धति है आयुर्वेदः डॉ पीसी पंचारिया

एमएसएआरआई, जयपुर के चिकित्सकों ने स्वास्थ्य परामर्श एवं दवा वितरण किया

पिलानी (मृदुल पत्रिका)। राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों की शृंखला में सीएसआईआर-सीरी में स्वास्थ्य शिविर एवं आयुर्वेद प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। स्वास्थ्य शिविर एवं आयुर्वेद प्रदर्शनी का उद्घाटन संस्थान के निदेशक डॉ पीसी पंचारिया ने किया।

इस अवसर पर आयुर्वेद संस्थान के डॉ दारा सिंह रौतवार, डॉ कलीम मुहम्मद एवं उनकी टीम के अलावा संस्थान के वैज्ञानिक डॉ प्रमोद तंवर, डॉ अशोक चौहान, प्रशासन नियंत्रक जयशंकर शरण, पीआरओ रमेश बौरा एवं अन्य सहकर्मी उपस्थित थे। कार्यक्रम का आयोजन महाराव शेखा क्षेत्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान (रूक्ष्ढ्ढ), जयपुर के सहयोग से भगवान धनवंतरि की उपासना के दिन (धनतेरस/धनत्रयोदशी) को किया गया।

आयुर्वेद प्रदर्शनी एवं चिकित्सा शिविर में संबोधित करते हुए डॉ पी सी पंचारिया ने जयपुर से संस्थान में पधारे डॉ दारा सिंह एवं उनके साथियों का स्वागत किया। अपने संबोधन में डॉ पंचारिया ने आयुर्वेद को सबसे प्राचीनतम चिकित्सा पद्धति बताते हुए इसके संबंध में अपने अनुभव बताए। उन्होंने इसके लाभों को रेखांकित करते हुए सभी लोगों को इसे अपनाने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर डॉ दारा सिंह एवं डॉ कलीम ने आयुर्वेद को अथर्ववेद का उपांग बताते हुए संतुलित आहार एवं उचित ब्रह्मचर्य का महत्व बताया।

उन्होंने आयुर्वेद की एतिहासिक पृष्ठभूमि पर भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ प्रमोद तंवर ने शिविर आयोजन हेतु एमएसएआरआई के अधिकारियों को धन्यवाद दिया। अंत में प्रशासन नियंत्रक श्री शरण ने अतिथियों एवं निदेशक के प्रति आभार व्यक्त किया। स्वास्थ्य शिविर में आए सहकर्मियों एवं उनके परिजनों सहित अन्य लोगों को निशुल्क चिकित्सा परामर्श एवं दवाओं का वितरण किया गया। साथ ही आयुर्वेद के संबंध में प्रचार सामग्री आदि का भी वितरण किया गया। सभी ने इस आयोजन की सराहना करते हुए सीरी व एमएसएआरआई को धन्यवाद दिया।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए मीडिया एवं जन संपर्क अधिकारी श्री रमेश बौरा ने अतिथियों का औपचारिक स्वागत किया। उन्होंने बताया कि केंद्रीय आयुष मंत्रालय एवं सीएसआईआर मुख्यालय से प्राप्त दिशानिर्देशों के अनुपालन में संस्थान में आयुर्वेद दिवस का आयोजन किया जा रहा है।